OSHO INTERNATIONAL MEDITATION RESORT IMPRESSIONS

OIMR Interview

मैं ब्राजील के साओ पावलो में वर्ष 1980 में पैदा हुआ। जीवन के विषय में सदा खोजपूर्ण था, चौबीस वर्ष की उम्र में मैं पहली बार ओशो के संपर्क में आया, जब मैंने ओशो के एक ध्यान कार्यक्रम में भाग लिया। उन ध्यानों को करते हुए मेरा मन शांत हो गया, मेरे प्रश्नों का कोई अर्थ नहीं रह गया, और मैंने पाया कि उत्तर मेरे भीतर सदा से मौजूद थे।

ओशो के सक्रिय ध्यानों ने मेरा जीवन रूपांतरित कर दिया, और तब 2007 में मैं ओशो इंटरनेशनल मेडिटेसन रिसार्ट पहुंचा। यह ऐसा था जैसे कोई वर्षों बाहर रहने के पश्चात घर पहुंचा हो। यहां सब कुछ बहुत सुंदर और सुव्यवस्थित है, यहां की सादगी मेरे मन को बहुत पसंद आई, जिससे मैं आसानी से शांतिपूर्वक ध्यान की अवस्था में पहुंच गया। इक्कीस दिन जो मैंने यहां बिताया, बहुत गहन थे: सुबह से लेकर रात्रि तक सभी संभव ध्यान-प्रयोगों मे भाग लिया। और पूल साइड जो घने वृक्षों और पक्षियों से घिरा हुआ है, के पास बैठ कर कुछ न करने का भी आनंद लेने का समय निकाल सका।

दूसरी बार यहां, छ वर्षों के अंतराल पर, मैने वर्क ऐज़ मेडिटेशन के अंतर्गत लिविंग इन कार्यक्रम का स्वाद लेने का निर्णय किया। छ महीने से मैं यहां हूं, मेरे जीवन में बहुत कुछ जुड़ चुका है। नित्य कार्य करना और ध्यान करना मुझे एक गहरी दशा में ले गए हैं। मैं यह समझ सका कि जीवन में कठिनाइयों का सामना कैसे करना है, और उनके भीतर प्रौढ़ होना है, और यही घटित हुआ। प्रतिदिन एक भिन्न अनुभव होता है। हर दिन एक उत्सव है। यहां मैं प्रेम में पड़ता हूं, हंसता हूं, रोता हूं, और अपने जीवन के सत्य का अनुभव करता हूं। मेंडिटेशन रिसार्ट भिन्न-भिन्न प्रकार के अनेक कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें से कुछ न कुछ हर किसी के लिए उपयुक्त होता है। यहां बहुत कुछ करने को है और "नाकुछ" भी करने को है।

जैसे मेरा वर्क ऐज़ मेडिटेशन प्रोग्राम समाप्त होने वाला था, मैने ब्राजील जाने से पहले दो महीने के लिए मल्टीवर्सिटी प्लस कार्यक्रम में भाग लेने का निर्णय किया। मैने ओशो मिस्टिक रोज थेरैपी कोर्स के लिए साइन किया, जो यहां होने वाले कार्यक्रमों में सबसे सुंदर है। यहां होने का अर्थ है कि मैं दूसरों में और खुद में होते हुए परिवर्तनों को देख सकता हूं, और विशेष रूप से इस कोर्स में यह देखना कि लोग अकेले या साथ-साथ कितनी हार्मनी और शांति की दशा में हैं। दुनियां के हर जगह के लोगों के साथ मिलना जो एक ही वैव लेन्ग्थ पर तरंगाइत हैं, जीवन के प्रति खुले हुए और ध्यान करते हुए -- इस जगह को अति अनूठा बना रहे हैं जो मैंने अपने पूरे जीवन काल में कभी देखा है।

मेरा परिवार का एक बड़ा बिजनेस है, बहुत सी दुकानें हैं, जिनमें मुख्य रूप से कार पार्ट का काम होता है।

मैंने काम में अधिक सचेत रहना और कार्य और जीवन के लिए इनर स्किल के टूल्स को प्रयोग करना सीख लिया है। अब मैं रुक सकता हूं, एक गहरी स्वांस लेकर प्रतिक्रिया कर सकता हूं, जिम्मेदरी ले सकता हूं। अब मैं वीकएंड की भी नहीं सोचता हूं क्योंकि अब मैं सप्ताह भर काम करता हूं। परिवार के साथ काम करना कठिन है, क्योंकि उनके साथ एक भावानात्मक जोड़ होता है, लेकिन अब मैं दूसरों के दृष्टिकोण की कद्र करना, स्वयं को देखना और दोनों के बीच एक तारतम्य स्थापित करना सीख गया हूं। अब मैं इसलिए काम करूंगा ताकि मैं यहां पुन: आ सकूं।

मैं उन सब के लिए बहुत अनुगृहीत हूं जो इस स्थान ने मुझे दिया है और जो समृद्धि मेरे हृदय और मन को मिली है। और मैं उन लोगों के प्रति भी बहुत अनुगृहीत हूं, जिन्होंने इस स्थान को ठीक ओशो की देशनाओं के अनुरूप रखा है। यहां जीवन यहीं और अभी घट रहा है। भविष्य के लिए चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है जब वर्तमान क्षण में जी रहे हों। यह बड़े से बड़ा संदेश है जो मैं अपने साथ ले जा रहा हूं।

OSHO®
© 2014 OSHO International
Copyright & Trademark Information